3

ओणम

पठन से पूर्व

हमारे देश में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। इनका हमारी प्राचीन संस्कृति से गहरा संबंध है। प्रत्येक राज्य में कुछ उनके विशेष उत्सव भी होते हैं। सभी त्योहार और उत्सव हमें मिल-जुलकर खुशी मनाने का संदेश देते हैं।

पाठ-परिचय

इस पाठ में केरल राज्य के प्रमुख त्योहार 'ओणम' का वर्णन किया गया है। यह एक फ़सली त्योहार है, जो कि संपूर्ण राज्य में समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है। इस त्योहार का संबंध प्राचीन काल के राजा महाबलि से है, जिन्होंने भगवान विष्णु को अपना संपूर्ण राज्य दान में दे दिया था।

चर्चा करें

बच्चों से उनके प्रांत या क्षेत्र में मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहारों के बारे में पूछें। कुछ प्रमुख त्योहारों, जैसे कि केरल के ओणम, तमिलनाडु के पोंगल, पंजाब के बैसाखी और असम के बिहू के बारे में बातचीत करें। बच्चों को त्योहारों का महत्त्व एवं संदेश समझाएँ।

भारत को 'त्योहारों का देश' कहा जाता है। यहाँ वर्ष भर त्योहारों की धूम मची रहती है। ये त्योहार जन-जीवन में चेतना, उत्साह और एकता का संचार करते हैं। दक्षिण भारत में केरल राज्य का एक विशेष त्योहार है-ओणम। लगातार तीन माह की भारी वर्षा के बाद आकाश स्वच्छ और चमकीला नीला हो जाता है। तालाबों, झीलों, नदियों और झरनों में जल की बहुतायत हो जाती है। कमल और लिली पूरे सौंदर्य के साथ खिलकर महक उठते हैं। फ़सलें पककर झूमने लगती हैं। यह समय होता है फ़सलों के घर आने का, झूमने और खुशियों का त्योहार ओणम मनाने का। यह श्रावण मास में मनाया जाता है। मलयालम में इस मास को 'चिंगमासम' कहते हैं। इस समय ऐसा लगता है, मानो प्रकृति भी ओणम के स्वागत की तैयारियाँ कर चुकी है। प्रत्येक त्योहार के साथ कोई-न-कोई कथा जुड़ी रहती है। 'ओणम' के साथ राजा महाबलि की पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। प्राचीन काल में महाबलि नाम के राजा केरल में राज्य करते थे। उनके राज्य में चारों ओर सुख और समृद्धि फैली थी। महाबलि अत्यंत पराक्रमी थे।

उन्होंने अपने पराक्रम से पृथ्वी और पाताल लोक का स्वामी बनने के बाद आकाश की ओर अधिकार बढ़ाना प्रारंभ किया। देवराज इंद्र की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण कर महाबलि से दान में संपूर्ण पृथ्वी और आकाश माँग लिया तथा महाबलि को पाताल लोक भेज दिया। राजा महाबलि की प्रार्थना पर प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें वर्ष में एक बार पृथ्वी

पर अपने राज्य में आने का आशीर्वाद दिया। केरलवासियों का विश्वास है कि प्रत्येक वर्ष महाबलि 'तिरुओणम' के दिन केरल राज्य में आते हैं। इस दिन महिलाएँ उनके स्वागत के लिए अपने घरों के प्रवेशद्वार विभिन्न प्रकार से सजाती हैं और रात्रि में दीप जलाती हैं।

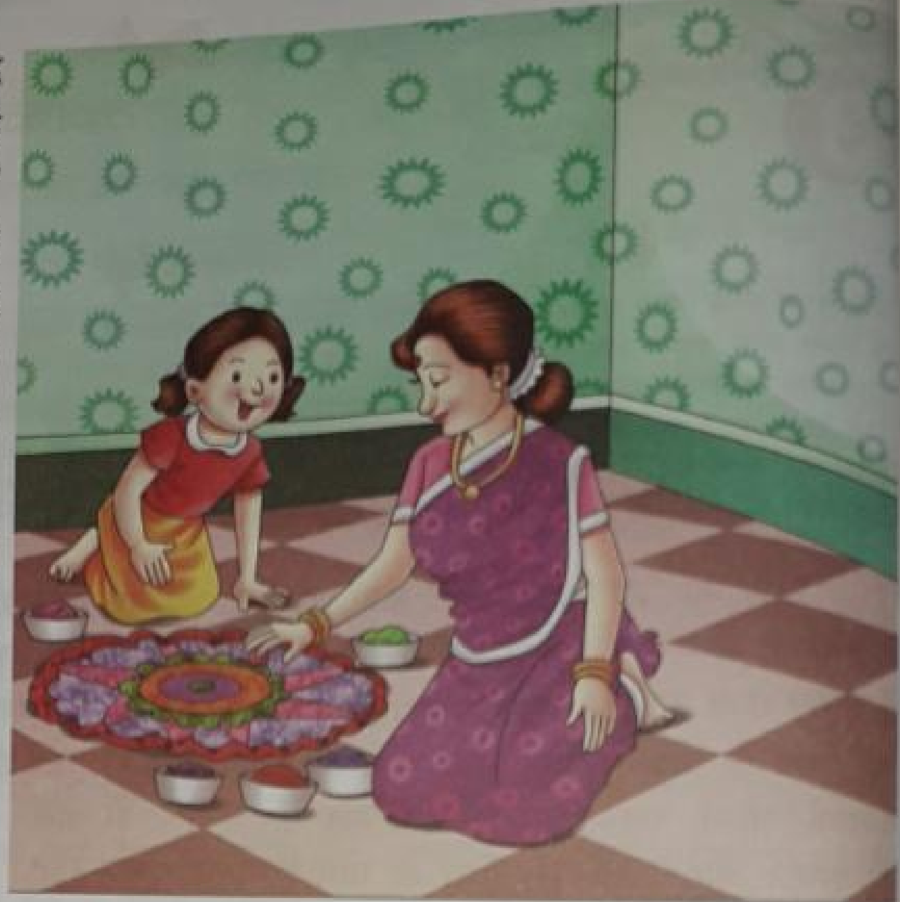

ओणम आनंद और उल्लास का पर्व है। यह पाँच दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन घर की लिपाई-पुताई की जाती है और पास-पड़ोस को स्वच्छ किया जाता है। सब घरों के आँगन रंग-बिरंगे फूलों की गोलाकार आकृतियों (फूलचक्रों) से सजाए जाते हैं जिसे 'पूक्कलम' कहते हैं। पूक्कलम की सजावट में परिवार के स्त्री, पुरुष, बच्चे सभी उत्साहपूर्वक योगदान देते हैं। विष्णु और महाबलि की मूर्तियों को चावल के आटे और नन्हे-नन्हे सफ़ेद पुष्पों से सजाया जाता है। पूक्कलम के निकट दीप रखकर इन मूर्तियों का पूजन किया जाता है।

मौखिक प्रश्न

1. ओणम किस राज्य का विशेष त्योहार है?
2. ओणम का त्योहार किस मास में मनाया जाता है?
3. मलयालम में श्रावण मास को क्या कहते हैं?
4. ओणम के साथ किसकी कथा जुड़ी हुई है?

ओणम का दूसरा दिन सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होता है। इसे 'तिरुओणम' कहते हैं। 'तिरुओणम' पारिवारिक जनों के मिलन, पारस्परिक प्रेम और सहयोग का पर्व है। इस दिन बाहर गए हुए लोग परिवार में लौट आते हैं और उल्लासपूर्वक मिल-जुलकर त्योहार मनाते हैं। सभी लोग नए और स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं। मध्याह्न काल में सब एक साथ बैठकर केले के पत्ते पर भोजन करते हैं। यहाँ केले के पत्ते पर भोजन करना अत्यंत पवित्र माना जाता है।

ओणम के दिन भोजन में विविध प्रकार के व्यंजन और पकवान सम्मिलित होते हैं। इनमें चावल, दाल, पापड़, साँभर, खिचड़ी, उप्पेरी (पकोड़ी), पायसम् (खीर) आदि मुख्य हैं। धान, नारियल और केला केरल की मुख्य उपजें हैं। विविध पकवान और व्यंजन इन्हीं से बनाए जाते हैं।

ओणम के अवसर पर खेल और मनोरंजन के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बालिकाएँ और स्त्रियाँ ताली बजाती हुईं समूह में मनमोहक नृत्य करती हैं, जिसे 'कैकोट्टिकली' नृत्य कहा जाता है। नाचते समय वे गाती हैं-

'हमने घर को खूब सजाया
आओ महाबलि, आओ।
फैले सुख और शांति सभी में
सबको वर दे जाओ'......

गाँव और नगरों में खेलकूद की अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इनमें नदियों और निकटवर्ती समुद्र में आयोजित 'नौका-दौड़' सर्वाधिक आकर्षित करती है। यह आरमुला नामक स्थान पर होती है। दूर-दूर के गाँवों से सर्पाकार नौकाएँ पंबा नदी के तट पर लाई जाती हैं और उनकी पूजा की जाती है। इस दिन सर्पनौका-दौड़ का आयोजन किया जाता है। वर्ष भर ग्रामवासी इस दिन के लिए नौकाओं को विशेष रूप से तैयार करते हैं। उनकी मरम्मत, रँगाई-पुताई की जाती है। प्रत्येक गाँव वाले अपनी नौकाओं में बैठते हैं। परंपरागत पोशाकें पहने नौकागीत गाते हुए सब लोग अपने चप्पू एक निश्चित ताल में एक साथ चलाते हैं। दौड़ में विजेता रही नौकाओं को पुरस्कृत किया जाता है। नौका-दौड़ को देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

माना जाता है कि 'तिरुओणम' के तीसरे दिन महाबलि अपने लोक को लौट जाते हैं। इसलिए तिरुओणम के दिन आँगन में बनाई गई कलाकृतियाँ तीसरे दिन हटा ली जाती हैं। केरलवासी बीते हुए ओणम की मधुर यादों और अगले ओणम की प्रतीक्षा में पुनः खुशी से अपने कार्यों में लग जाते हैं।

– संकलित

मौखिक प्रश्न

1. ओणम के अवसर पर कौन-से व्यंजन और पकवान बनते हैं?
2. 'कैकोट्टिकली' नृत्य किसे कहते हैं?
3. सर्पनौका-दौड़ प्रतियोगिता कहाँ आयोजित की जाती है?

पाठ 3 ओणम

शब्दार्थ

चेतना	= प्राण (consciousness)	मध्याह्न काल	= दोपहर का समय (noon)
बहुतायत	= अधिकता (excess)	निकटवर्ती	= समीप का (neighbouring)
श्रावण मास	= सावन का महीना (month of August)	सर्पाकार	= साँप के आकार का (snake shaped)
पौराणिक	= पुराणों से ली गई (कथा) (ancient)	परंपरागत	= सदा से चला आ रहा (traditional)
पराक्रमी	= वीर, प्रतापी (brave)	पर्यटक	= सैलानी (tourist)
वामन	= बौना (dwarf)	कलाकृतियाँ	= कलात्मक रचना (artistic work)
उल्लास	= खुशी (pleasure)		
पारस्परिक	= आपसी, एक-दूसरे से (mutual)		

शब्द-भंडार

पर्यायवाची शब्द

त्योहार - पर्व, उत्सव
कमल - नीरज, सरोज, पंकज
राजा - भूप, नृप, भूपति
वस्त्र - वसन, चीर, पट
इंद्र - देवराज, सुरपति
नौका - नाव, तरणी

विलोम शब्द

स्वच्छ	×	मलिन	निकटवर्ती	×	दूरवर्ती
आशीर्वाद	×	अभिशाप	पुरस्कृत	×	दंडित
पौराणिक	×	आधुनिक	स्वागत	×	तिरस्कार

अभ्यास

पाठ से प्रश्न

Comprehension based on Lesson

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
   (क) 'ओणम' किस राज्य में मनाया जाता है? 'ओणम' के साथ कौन-सी पौराणिक कथा जुड़ी हुई है?
   (ख) ओणम के दूसरे दिन क्या-क्या होता है?
   (ग) 'तिरुओणम' किसका पर्व है?

(घ) नौका-दौड़ प्रतियोगिता कहाँ पर होती है? इसके लिए क्या-क्या तैयारी की जाती है?
(ङ) किस दिन महाबलि अपने लोक लौट जाते हैं? उस दिन क्या होता है?

2. **प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए।**

(क) प्राचीन काल में राजा महाबलि का शासन कहाँ पर था?
(i) केरल में ✓ ◯ (ii) तमिलनाडु में ◯ (iii) नेपाल में ◯

(ख) विष्णु किस रूप में महाबलि से दान लेने आए थे?
(i) वराह ◯ (ii) वामन ✓ ◯ (iii) गरुड़ ◯

(ग) विष्णु और महाबलि की मूर्तियों को किससे सजाया जाता है?
(i) गेहूँ के आटे और गेंदे के फूल से ◯
(ii) चंदन और फूल से ◯
(iii) चावल के आटे और सफ़ेद फूलों से ✓ ◯

(घ) ओणम का कौन-सा दिन सबसे महत्त्वपूर्ण होता है?
✓ (i) दूसरा ◯ (ii) तीसरा ◯ (iii) चौथा ◯

3. **उचित शब्दों से खाली स्थान भरिए।**

(क) दक्षिण भारत में ओणम केरल का प्रमुख त्योहार है।
(ख) यह श्रावण मास में मनाया जाता है।
(ग) ओणम आनन्द और उल्लास का पर्व है।
(घ) तिरुओणम के तीसरे दिन महाबली अपने लोक को लौट जाते हैं।
(ङ) आँगन में बनाई गई कलाकृतियाँ तीसरे दिन हटा ली जाती हैं।

शब्द-कौशल

Vocabulary

1. **'पूर्वक' लगाकर नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ लिखिए।**

वीरता - वीरतापूर्वक = वीरता के साथ
उत्साह - उत्साहपूर्वक = उत्साह के साथ
प्रेम - प्रेमपूर्वक = प्रेम के साथ
उल्लास - उल्लासपूर्वक = उल्लास के साथ

2. **'आवट' प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।**

सज + आवट = सजावट
लिख + आवट = लिखावट
मिल + आवट = मिलावट
थक + आवट = थकावट

3. **नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए।**

(क) जिसे पुराणों से लिया गया हो अथवा पुराण से संबंधित - पौराणिक

(ख) जिसका सर्प के जैसा आकार हो - सर्पाकार

(ग) जिसके आने की कोई तिथि न हो - अतिथि

(घ) जल से उत्पन्न होने वाला - जलचर

(ङ) मन को मोहने वाला - मनमोहक

भाषा-कौशल

Language-Skills

1. **नीचे दिए गए वाक्यों में उद्देश्य और विधेय अलग करके लिखिए।**

(क) भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है।

(ख) महाबली अत्यंत पराक्रमी राजा थे।

(ग) भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण किया।

(घ) ओणम आनंद और उल्लास का पर्व है।

2. **बच्चो! आप 'वचन' के बारे में तो जानते ही हैं। यहाँ हम आपको वचन परिवर्तन के कुछ नियम बताएँगे। इन्हें पढ़कर वचन–परिर्वतन का अभ्यास कीजिए।**

(क) 'आ' का 'ए' – पुल्लिंग शब्दों में अंतिम 'आ' का 'ए' में परिवर्तन हो जाता है।

जैसे : लड़का – लड़के

कपड़ा - कपड़े | पत्ता - पत्ते

नया - नए | केला - केले

(ख) 'आ' का 'आएँ' -स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'आ' रहने पर उनके साथ 'एँ' जुड़ जाता है।

जैसे : महिला - महिलाएँ

नौका - नौकाएँ | प्रतियोगिता - प्रतियोगिताएँ

कथा - कथाएँ | अध्यापिका - अध्यापिकाएँ

(ग) 'इ-ई' का 'इयाँ' - इ तथा ई से समाप्त होने वाले स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'याँ' जोड़ देते हैं और 'ई' की मात्रा 'इ' में परिवर्तित की जाती है।

जैसे : स्त्री - स्त्रियाँ

नदी - नदियाँ | मूर्ति - मूर्तियाँ

गाड़ी - गाड़ियाँ | ताली - तालियाँ